निकुंज में विराजे

निकुंज में विराजे, घनश्याम राधे राधे ॥
*हो श्याम राधे राधे, घनश्याम राधे राधे।
निकुंज में विराजे, घनश्याम राधे राधे ॥

सिर मोर, मुकुट अधिराजे।
*हो क़र कमलों में, कंगणा मनी है।
कानो में, कुण्डलिया सोहे।
*हो दो नैनन में, कज़रा बसत है।
श्याम राधे राधे, घनश्याम राधे राधे ॥*
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मुरली वाले की, महफ़िल सजी है।
*हो बँसी वाले की महफ़िल सजी है।
*हो कमली वाले की, महफ़िल सजी है।
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

उनकी रहमत का, झूमर सजा है।
हमको महसूस, ये हो रहा है।
*हो तेरी महफ़िल में, करुणा भरी है।
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मेरी झोली, भी सरकार भर दो ॥
*हो आपने सब की, झोली भरी है ॥
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F
राधे राधे,,, श्याम मिलादे,,, IIII धुन
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21495/title/nikunj-mein-biraje

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |